बीपीसीसी 113

कला स्नातक (ऑनर्स) मनोविज्ञान
(बीएपीसीएच)

कोर पाठ्यक्रम (CC)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बीपीसीसी 113
पाठ्यक्रम शीर्षक : मनोविज्ञानिक विकारों की समझ और चिकित्सा

मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
जुलाई 2024-2025

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू मनोविज्ञान के कोर पाठ्यक्रम में मूल्यांकन तीन भागों में है। इस पाठ्यक्रम में मूल्यांकन, इस प्रकार से है,: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, ii) ट्यूटोरियल और iii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 20 प्रतिशत, ट्यूटोरियल के लिए 10 प्रतिशत तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बीपीसीसी 113, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट थ्योरी + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) कला स्नातक मनोविज्ञान ऑनर्स का पाठ्यक्रम है। आपको **बीपीसीसी** 113 के 4 क्रेडिट के लिए निम्नलिखित अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

ट्यूटोरियलः इस पाठ्यक्रम में ट्यूटोरियल सम्मिलित है। ट्यूटोरियल घटक अनिवार्य है जो 02 क्रेडिट का है। यह मुख्यतः गतिविधियों के रूप में होगा। इसका मूल्यांकन अकादमिक परामर्शदाता के द्वारा किया जाएगा। आपको पाठ्य सामग्री को ध्यान लगाकर पढ़ना चाहिए तथा इस जानकारी को दैनिक जीवन में लागू करने का प्रयास करना चाहिए। यह गतिविधि आपके पुस्तकीयान को दैनिक जीवन अनुभव के साथ संबंधित कर आपकी क्षमता का विकास करने में सहायता प्रदान करेगी।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।

आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2025 एवं जनवरी 2026	31 मार्च, 2026 एवं 30 सितम्बर, 2026	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करें।

आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिए। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रदान किये गये अध्ययन केन्द्र के संयोजक को ही भेजने होते हैं।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   a) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   b) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

      (i) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

      (ii) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

      (ii) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

c) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता (academic counselor) को सुविधा होगी।

3. *उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।* अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किए सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,

इग्नू, नई दिल्ली

बीपीसीसी 113 : मनोविज्ञानिक विकारों की समझ और चिकित्सा
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-113**
सत्रीय कार्य कोड : बीपीसीसी **113** /एएसएसटी./**TMA**/जुलाई, 2025 - जनवरी, 2026
अधिकतम अंकः **70**

नोटः 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2) सत्रीय कार्य अधिकतम 70 अंक का है। ट्यूटोरियल अधिकतम 30 अंक का है।
3) सत्रीय कार्य एवं ट्यूटोरियल अलग से जमा किए जाएंगे।

भाग क

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। 2x20=40

1. मनोविदलता में योगदान देने वाले मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारकों का परीक्षण कीजिए , साथ ही इसके विकास से जुड़े प्रणवता –तनाव मॉडल की व्याख्या भी कीजिए ।

2. क्लस्टर अ व्यक्तित्व विकारों पर चर्चा करें, उनके कारणों और उपचार विधियों पर प्रकाश डालें।

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित *संक्षिप्त* श्रेणी के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक नियत हैं। 6x5=30

3. एकध्रुवीय मनोदशा विकारों की व्याख्या कीजिए।

4. सामान्य कामुकता क्या है?

5. मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सा पर भारतीय दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

6. मनश्चिकित्सा में नैतिक मुद्दे क्या हैं?

7. अल्पकालिक मनश्चिकित्सा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

8. व्यवहार संशोधन की संभावनाएँ और सीमाएँ क्या हैं?

भाग ख

ट्यूटोरियल

(ट्यूटोरियल अध्ययन केन्द्र पर अलग से जमा किया जाएगा)

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC 113**
ट्यूटोरियल कोड : ट्यूटोरियल/ जुलाई, 2025 - जनवरी, 2026
अधिकतम अंकः **30**

नोटः निर्देशानुसार क्रियाकल्प को पूरा कीजिए। सभी क्रियाकल्प अनिवार्य हैं।

अनुदेश

1) शीर्षक पृष्ठ होना चाहिए। इसमें इन विवरणों को शामिल करें : नाम, एनरोलमेंट नंबर, ईमेल, क्षेत्रिय केंद्र, अध्ययन केंद्र, कार्यक्रम का शीर्षक और कोड, पाठ्यक्रम का शीर्षक और कोड और ट्यूटोरियल कोड।
2) A4 आकार का कागज उपयोग कीजिए।
3) तालिका बनाने के लिए कोरा कागज का उपयोग कीजिए और तालिका और आलेख को पैन्सिल से खीचिए।
4) आपके उत्तर अपने शब्दों में होने चाहिए।
5) सत्रीय कार्य तथा ट्यूटोरियल हस्तलिखित होना चाहिए।

क्रियाकल्प 1 : चिकित्सा की संरचना, लक्ष्यों, चिकित्सीय संबंध और तकनीकों के आधार पर मानवतावादी और अस्तित्ववादी चिकित्सा के बीच तुलना कीजिए। 10

क्रियाकल्प 2 : बीपीसीसी 113 में से अपनी पसंद की कोई भी एक इकाई लें और लगभग 1000 शब्दों में उसकी समीक्षा लिखिए। समीक्षा आपके अपने शब्दों में होनी चाहिए और इसमें इकाई के महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाना चाहिए। 20